

हासा पुं. (तद्.) चंद्रमा।

हासास्पद पुं. दे. हास्यास्पद।

हासिका स्त्री. (तत्.) हँसी, मजाक, ठट्ठा।

हासिद वि. (अर.) हसद अर्थात् जलन रखने वाला, डाह रखने वाला, डाही।

हासिनी वि. (तत्.) हँसने वाली (स्त्री.) प्रायः समासांत में प्रयुक्त जैसे- चारुहासिनी, अतिहासिनी।

हासिल वि. (अर.) 1. प्राप्त, उपलब्ध 2. हाथ में आया हुआ 3. जो बचा हो 4. गणि. गणितीय क्रियाओं में प्राप्त संख्या लिखते समय एक अंक लिखने के बाद बाईं ओर के (दशगुणित) अंक, जो बाद की क्रिया से प्राप्त संख्या में जोड़ दिए जाते हैं पुं. 1. लाभ 2. उपज 3. नतीजा 4. चौथ, एक प्रकार का कर।

हासी वि. (तत्.) हँसने वाला जैसे- मंदहासी।

हासोच्छल वि. (तत्.) हँसता हुआ।

हास्य पुं. (तत्.) हृदय के अंदर स्थित प्रसन्नता के भाव का मुख से निकलने वाली ध्वनि के माध्यम से प्रकट होना, हँसी, प्रसन्नता, आनंद, परिहास, मजाक, व्यंग्योक्ति काव्य. एक रस वि. हँसने योग्य, हँसी उत्पन्न करने वाला।

हास्यकर वि. (तत्.) हास्य उत्पन्न करने वाला, हास्यजनक, हँसाने वाला।

हास्यकार पुं. दे. हास्यकर।

हास्यजनक पुं. दे. हास्यकर।

हास्यधारा स्त्री. (तत्.) हास्य की सतत प्रवाहित धारा, वह प्रवाह, जिससे लगातार हास्य उत्पन्न होता रहे।

हास्य-भेद पुं. (तत्.) हँसने की क्रिया के विविध भेद टि. नाट्यशास्त्र में हास्य के छह भेद बतलाए गए हैं- स्मित, हसित, विहसित, उपहसित, अपहसित और अतिहसित।

हास्य-स्तंभ पुं. (तत्.) पत्र-पत्रिका का वह विशेष भाग जिसमें हास्य-रस की रचनाएँ छापी जाती हैं।

हास्यास्पद वि. (तत्.) 1. जिसे देख-सुनकर या पढ़कर हँसी आ जाए 2. हास या उपहास का विषय 3. बचकाना।

हास्योत्पादक वि. (तत्.) हास्य उत्पन्न करने वाला।

हा-हंत अव्य. (तत्.) शोक या दुःख प्रकट करने वाला उद्गार।

हाहल पुं. (तद्.) एक प्रकार का घातक विष, हलाहल।

हा-हा अव्य. (तत्.) 1. शोक या दुःख प्रकट करने वाला उद्गार 2. शोकपूर्वक गिड़गिड़ाने का भाव प्रकट करने वाला शब्द पुं. (अनु.) हँसने की ध्वनि (देश.) स्वीकृति सूचक शब्द।

हाहाकार पुं. (तत्.) 1. शोक, कष्ट, पीड़ा आदि के अतिरेक के कारण उत्पन्न ध्वनि 2. अत्यंत शोकपूर्ण परिस्थिति उदा. हाहाकार हुआ क्रंदनमय कठिन कुलिश होते थे चूर -कामायनी/।

हाहा-ठीठी स्त्री. (अनु.) हँसी-मजाक, दिल्लगी।

हाहारव पुं. दे. हाहाकार।

हाहाहूत पुं. दे. हाहाकार।

हाही स्त्री. (देश.) कुछ प्राप्त करने की आतुरता।

हाहू स्त्री. (देश.) हँसने की जोर-जोर की ध्वनि, शोर।

हाहूत पुं. (अर.) कुछ मुस्लिम संतों के अनुसार ऊपर की दिशा में स्थित नौ लोकों (पुरियों) में पाँचवा लोक (पुरी)।

हाहूबर पुं. (देश.+तद्.) जंगली बेर, झड़बेरी।

हिं अव्य. (देश.) 'को' अर्थ देने वाला परसर्ग या विभक्ति- चिह्न जैसे- तुमहहिं; उनहिं आदि।

हिंकरना अ.क्रि. (देश.) घोड़े की ध्वनि, हिनहिनाना।

हिंकार पुं. (तत्.) 1. 'हिम्' की ध्वनि, ऐसी ध्वनि करना, हुंकारना 2. बाध।

हिंकारना अ.क्रि. (तत्.) 1. हिंकार की ध्वनि निकालना 2. बाध की तरह ध्वनि निकालना।